प्रवेश-विवरणिका

रमाबाई
राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अकबरपुर, अम्बेडकर नगर 224122 (उ.प्र.)

(डॉ. रा० म० लो० अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या से सम्बद्ध)

नैक ग्रेड 'बी' : 2017–22

Web. : www.rgwpgc.org
E-mail : principalrgwpgc@gmail.com

प्रवेश आवेदन पत्र सहित
Prospectus & Application Form

रमाबाई
राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अकबरपुर, अम्बेडकर नगर 224122 (उ.प्र.)

नैक ग्रेड 'बी' : 2017–22

Ramabai Government Women Post Graduate College

Akbarpur, Ambedkar Nagar 224122 (U.P.)

20 - 20

Web. : www.rgwpgc.org
E-mail : principalrgwpgc@gmail.com
Tel. : 05271-244197

रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अकबरपुर, अम्बेडकर नगर-224122

परिचय

रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय की स्थापना पुण्य सलिला तमसा के पावन निनाद से निनादित अम्बेडकर नगर में वर्ष 1997 में उ0प्र0 शासन द्वारा महिलाओं में उच्च शिक्षा के प्रसार के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से की गयी है। महान कर्मयोगी एवं समाजवादी चिंतक डॉ0 राम मनोहर लोहिया की जन्म स्थली में स्थापित इस महिला महाविद्यालय का नामकरण भारतीय संविधान निर्माता डॉ0 भीमराव अम्बेडकर की धर्मपत्नी रमाबाई के नाम पर किया गया है। यह महाविद्यालय पूर्व मुख्यमंत्री माननीया सुश्री मायावती द्वारा महिलाओं की उच्च शिक्षा में भागीदारी को आगे बढ़ाने की दिशा में किये गये प्रयासों का सुफल है।

वर्ष 1997 तक अम्बेडकर नगर जनपद में कोई भी महिला महाविद्यालय नहीं था। यह महाविद्यालय इस क्षेत्र की छात्राओं और अभिभावकों की उच्च शिक्षा सम्बन्धी आकांक्षाओं की सम्पूर्ति करते हुए अत्यन्त उपयोगी सिद्ध हो रहा है।

यह महाविद्यालय विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (U.G.C.) से 2 (एफ) एवं 12 (बी) मान्यता प्राप्त श्रेणी में है। इसका राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) बंगलुरू से द्वितीय चरण का मूल्यांकन किया जा चुका है जिसमें इस महाविद्यालय को NAAC से "B" ग्रेड प्राप्त है । महाविद्यालय स्तर पर इण्टरनल क्वालिटी एश्योरेन्स सेल (IQAC) का भी किया गठन गया है। इसके तहत महाविद्यालय की उच्च शिक्षा से संबधित गुणवत्ता, एकेडमिक ऑडिट, सुधार एवं आंतरिक मूल्यांकन की वार्षिक रिपोर्ट उ0 प्र0 शासन, यूजीसी व नैक को भेजी जाती है।

महाविद्यालय में शिक्षक-छात्रा एवं शिक्षक-अभिभावक की समितियों के द्वारा आने वाले विभिन्न सुझावों एवं विचारों का क्रियान्वयन इसे गरिमामयी स्थिति प्रदान करता है। इस महाविद्यालय में शैक्षणिक, सांस्कृतिक, मूल्य आधारित एवं कौशल विकास का वातावरण छात्राओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। साथ ही साथ महाविद्यालय की मूलभूत उत्कृष्ट सुविधाएं उत्तम शैक्षिक एवं शिक्षणेतर गतिविधियों को सफल बनाती है।

महाविद्यालय के उद्देश्य एवं लक्ष्य

1. डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या द्वारा सम्बद्ध विषयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करना ।
2. ज्ञान एवं कार्य कुशलता के साथ राष्ट्रीय अस्मिता, विरासत, एवं जीवन के श्रेष्ठ मूल्यों के प्रति सजगता।
3. देशभक्ति, लोकतंत्र, सर्वधर्म समभाव, मानवता, समाजवाद, शांति के आदर्श तथा उत्कृष्ट व्यक्तित्व के विकास हेतु शैक्षणिक मानकों पर आधारित भारतीय संविधान की प्रस्तावना में निहित सिद्धान्तों के प्रति निष्ठा।
4. ज्ञान एवं कौशल का सम्बद्ध परिक्षेत्र में प्रचार-प्रसार, विस्तार तथा अध्ययन-अध्यापन के विषयों की रोजगारपरक संभावनाओं से छात्राओं को अवगत कराना। कॅरियर काउन्सिलिंग, स्वरोजगार, सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों में रोजगार के लिए आवश्यक पात्रता तथा तैयारी के विषय में जानकारी देना।
5. पर्यावरण सुधार, धारणीय विकास एवं प्राकृतिक सन्तुलन के क्षेत्रों में अपना सकारात्मक योगदान प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित व प्रोत्साहित करना।
6. नारी सशक्तीकरण के लिए अवसर की समानता तथा नयें क्षेत्रों में उनके प्रवेश व गतिशीलता को प्रोत्साहित करना।
7. जीवन के प्रति आस्था, विश्वास एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना।
8 उच्च शिक्षा प्राप्ति के उपरान्त उत्कृष्ट समाज के निर्माण एवं देश की प्रगति में सहयोग करना।
9. शिक्षा और जीवन में एकरूपता स्थापित करना।

पाठ्य विषय

अवध विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम एवं नियमों के अधीन महाविद्यालय में निम्नलिखित विषयों के अध्यापन की व्यवस्था है।

नोट : स्नातक प्रथम वर्ष (कला / विज्ञान / वाणिज्य) में प्रवेश नई शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत लिये जायेंगे।

कला एवं समाज विज्ञान संकाय पाठ्यक्रम त्रिवर्षीय स्नातक कोर्स (बी0ए0)

समूह क-हिन्दी, अंग्रेजी

समूह ख-मध्यकालीन इतिहास, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, राजनीतिविज्ञान

समूह ग-गृहविज्ञान, संगीत, शारीरिक शिक्षा

उपर्युक्त समूहों में से किसी भी समूह से दो विषय से अधिक विषय का चयन नहीं किया जा सकता है।

कला एवं समाज विज्ञान संकाय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (एम0ए0)

हिन्दी, समाजशास्त्र, गृह विज्ञान, राजनीति विज्ञान, मध्यकालीन इतिहास

वाणिज्य संकाय स्नातक स्तर त्रिवर्षीय डिग्री कोर्स (बी0कॉम0)

विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित सभी प्रश्न-पत्र पढ़ना अनिवार्य है।

विज्ञान संकाय स्नातक स्तर त्रिवर्षीय डिग्री कोर्स (बी0एस0सी0)

गणित वर्ग- 1. भौतिकी 2. गणित 3. रसायन विज्ञान

जीव विज्ञान वर्ग- 1. वनस्पति विज्ञान 2. प्राणि विज्ञान 3. रसायन विज्ञान

प्रवेश सम्बन्धी नियम

नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार

बी.ए./बी.एससी./बी.कॉम. प्रथम वर्ष, प्रथम सेमेस्टर

प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ करने के पूर्व विद्यार्थी को विश्वविद्यालय के पोर्टल पर यू.आई.एन. (UIN) नम्बर प्राप्त करना होगा जिसके लिए विश्वविद्यालय द्वारा रू. 100.00 (एक सौ रू.) शुल्क निर्धारित है। इसके अतिरिक्त बैंक चार्ज / ऑनलाइन शुल्क देय होगा।

विषय चयन सबन्धी नियम

1. स्नातक स्तर पर प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश के समय विद्यार्थी सर्वप्रथम अपने संकाय का चयन करेगा। संकाय चयन सम्बंधी निर्देश निम्नवत हैं

स्नातक प्रथम -सेमेस्टर में प्रवेश हेतु विषय-वर्ग/संकाय चयन के लिए Pre-requisitie (पात्रता)

- विज्ञान वर्ग के विषयों से इण्टरमीडिएट करने वाला छात्र स्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय, कला संकाय तथा कृषि संकाय के अंतर्गत प्रवेश प्राप्त करने के लिए पात्र (Eligible) होगा, किन्तु यदि छात्र ने हाई स्कूल / इंटरमीडिएट स्तर पर विज्ञान वर्ग के अंतर्गतगणित विषय लिया है तो वह वाणिज्य संकाय के अन्तर्गत भी प्रवेश प्राप्त करने योग्य होगा।
- कला वर्ग के विषयों से इण्टरमीडिएट करने वाला छात्र स्नातक स्तर पर कला संकाय के अंतर्गत प्रवेश प्राप्त करने के लिए पात्र (Eligible) होगा, किन्तु यदि छात्र ने इण्टरमीडिएट स्तर पर कला वर्ग के अंतर्गत अर्थशास्त्र अथवा गणित विषय लिया है अथवा हाई-स्कूल स्तर पर गणित विषय का अध्ययन किया है तो वाणिज्य संकाय के अन्तर्गत भी प्रवेश प्राप्त करने योग्य होगा।
- वाणिज्य वर्ग के विषयों से इण्टरमीडिएट करने वाला छात्र स्नातक स्तर पर वाणिज्य संकाय तथा कला संकाय के अंतर्गत प्रवेश प्राप्त करने के लिए पात्र (Eligible) होगा।
- कृषि वर्ग के विषयों से इण्टरमीडिएट करने वाला छात्र स्नातक स्तर पर कृषि संकाय तथा कला संकाय के अंतर्गत प्रवेश प्राप्त करने के लिए पात्र (Eligible) होगा, किन्तु यदि छात्र ने हाई-स्कूल स्तर पर गणित विषय का अध्ययन किया है तो वह वाणिज्य संकाय के अंतर्गत भी प्रवेश प्राप्त करने योग्य होगा।
- महाविद्यालय संकाय में उपलब्ध सीटों / नियमों के आलोक में विद्यार्थी को सम्बन्धित संकाय में प्रवेश देगा।
- विद्यार्थी तीन मुख्य विषयों का चुनाव करेगा जिसमें से दो मुख्य विषय उसके चुने हुए संकाय के होंगे तथा तीसरा मुख्य विषय वह अपने संकाय अथवा दूसरे संकाय से चुन सकता है। विषय चयन का आधार इण्टरमीडियट अथवा समकक्ष परीक्षा में पठित विषय होंगे।

2. संकायवार विषय समूह/सूची इस प्रकार है-

2-1 कला संकाय में महाविद्यालय में उपलब्ध (स्नातक प्रथम सेमेस्टर हेतु) विषय सूची-

समूह-अ भाषा / साहित्य	समूह-ब प्रायोगिक विषय	समूह-स गैर प्रायोगिक विषय
1. हिन्दी 2. अंग्रेजी	1. गृह विज्ञान 2. संगीत 3. शारीरिक शिक्षा 4. समाजशास्त्र 5. राजनीति शास्त्र 6. शिक्षाशास्त्र	1. अर्थशास्त्र 2. मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास

नोट :- 1. प्रत्येक विद्यार्थी कला संकाय के अन्तर्गत स्नातक स्तर पर प्रथम सेमेस्टर में न्यूनतम दो और अधिकतम तीन विषयों का चयन कर सकता है। सामान्य रूप से प्रथम सेमेस्टर में चयनित विषय का अध्ययन विद्यार्थी को द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ सेमेस्टर में भी करना होगा।

2. विद्यार्थी समूह 'अ', 'ब' और 'स' में से किसी एक समूह से अधिकतम दो विषयों का ही चयन कर सकता है। किसी एक समूह से तीन विषयों का चयन नहीं किया जायेगा।

3. विद्यार्थी दो से अधिक भाषा / साहित्य विषयों का चयन नहीं करेगा।

4. विद्यार्थी दो से अधिक प्रायोगिक विषयों का चयन एक साथ नहीं करेगा।

5. विश्वविद्यालय के निर्धारित नियमों के अनुसार एवं महाविद्यालय में उपलब्ध विषय के सापेक्ष ही विषय चयन का विकल्प प्राप्त हो सकेगा।

2-2 विज्ञान संकाय (स्नातक प्रथम सेमेस्टर हेतु) विषय समूह/सूची

Group (A)	Group (B)	Group (C)
1. Physics 2- Mathematics	1. Chemistry	1. Botany 2. Zoology

नोट

- प्रत्येक विद्यार्थी विज्ञान संकाय के अर्न्तगत स्नातक स्तर पर प्रथम सेमेस्टर में न्यूनतम 02 और अधिकतम 03 विषयों का चयन कर सकता है। सामान्य रूप से प्रथम सेमेस्टर मे चयनित विषय का अध्ययन विद्यार्थी को द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ सेमेस्टर मे भी करना होगा।
- Pre-requisite को Qualify करने की दशा मे विषय संयोजन के लिए विद्यार्थी Group A या Group B या Group C से पृथक-पृथक न्यूनतम 02 अथवा 03 का विषयों का चयन सकता है।
- Pre-requisite को Qualify करने की दशा मे विषय संयोजन के लिए विद्यार्थी Group A या Group B से सम्मिलित रूप से न्यूनतम दो और अधिकतम तीन विषयों का चयन कर सकता है।
- Pre-requisiste को Qualify करने की दशा मे विषय संयोजन के लिए Group B और Group C से सम्मिलित रूप से न्यूनतम दो और अधिकतम तीन विषयों का चयन कर सकता है।
- छात्र द्वारा Group A और Group C के विषय सम्मिलित रूप से विषय-संयोजन के लिए चयनित नहीं किये जायेगें।
- Group A के विषयों के लिए चयन के लिए विद्यार्थी Pre-requisite को तभी Qualify करेगा जब उसने इण्टरमीडिएट में Physics और Mathematics विषयों का अध्ययन किया हो।
- Group B के विषयों में से Chemistry विषय के चयन के लिए विद्यार्थी Pre-requuisite को तभी qualify करेगा जब उसने इण्टरमीडिएट में Chemistry विषय का अध्ययन किया हो।
- Group C के विषयों के चयन के लिए विद्यार्थी Pre-requisite को तभी Qualify करेगा जब उसने इण्टरमीडिएट में Biology विषय का अध्ययन किया हो।
- यदि छात्र Physics-Mathematics-Geography विषय संयोजन चयनित करता है तो उसके लिए इण्टरमीडिएट में Physics और Mathematics विषय का अध्ययन आवश्यक है।
- यदि छात्र Geography-Chemistry-Mathematics विषय संयोजन चयनित करता है तो उसके लिए इण्टरमीडिएट में Chemistry और Mathematics विषय का अध्ययन किया जाना आवश्यक है।

2.3 वाणिज्य संकाय (स्नातक प्रथम सेमेस्टर हेतु) विषय समूह/सूची

Semester System (Year Wise) Structure of Faculty of Commerce UG (B.Com.)

Year	Sem.	Major 6 Credits Each Own Faculty	Major 6 Credits Each Any Faculty	Minor/ Elective 4/5/6 Credits Other Faculty	Minor Voc. 3 Credits Vocat. Faculty	Minor Co-curricular 2 Credits Co-curricular Course	Major Industrial Training/ Survey/ Project 3/6 Credits Inter/Intra Faculty related to main Subject	Credits Total	After Completion (Minimum Credits) (Max. Duration)
1	I	1. Business Organization 2. Business Statistics	Choose any one from the following- 1. Business Communication 2. Introduction to Computer Application	1	1	1		27/28/29	Certificate in Commerce
	II	1. Business Management 2. Financial Accounting (4 Credit) 3.Computerised Accounting (Practical)(2 Credit)	Choose any one from the following- 1. Essentials of E-commerce 2. Business Economics		1	1		27/28/29	
2	III	1. Company Law 2. Cost accounting	Choose any one from the following- 1. Business Regulatory Framework 2. Inventory Management	1	1	1		27/28/29	Diploma in Commerce
	IV	1. Income Tax Law and Accounts 2. Fundamentals of Marketing (4 Credit) 3. Digital Marketing (Practical) (2 Credit)	Choose any one from the following- 1. Fundamentals of Entrepreneurship 2. Tourism and Travel Management		1	1		27/28/29	
3	V	1. Corporate Accounting (5 Credit) 2. Goods and Services Tax (5 Credit) Choose any two from the following- 1. Business Finance (5 Credit) 2. Principles and Practices of Insurance (5 Credit) 3. Monetary Theory and Banking in India (5 Credit)				1	30 days Training or Survey where economic activities are involved	26	Bachelor Degree in Commerce
	VI	1. Accounting for Managers (5 Credit) 2. Auditing (5 Credit) 3. Comprehensive Viva (5 Credit) Choose any one from the following- 1. Financial Institutions and Market (5 Credit) 2. Human Resource Management (5 Credit) 3. Business Ethics and Corporate Governance (5 Credit)				1	Project	26	

3. माइनर/इलेक्टिव (स्नातक प्रथम सेमेस्टर हेतु) विषय का चयन :-

1. बी.ए. / बी.एस.सी. / बी.कॉम. प्रथम सेमेस्टर के लिए विद्यार्थी तीन मुख्य विषयों के अतिरिक्त एक माइनर / इलेक्टिव विषय का चयन अपने संकाय के किसी अन्य विभाग अथवा दूसरे संकाय के किसी भी विभाग से करेगा।

2. माइनर / इलेक्टिव विषय का चयन इण्टरमीडिएट / समकक्ष परीक्षा में पठित विषयों के आधार पर किया जा सकेगा।

3. छात्र यदि स्नातक प्रथम सेमेस्टर में चयनित माइनर / इलेक्टिव विषय की परीक्षा छोड़ देता है अथवा अनुत्तीर्ण हो जाता है तो दूसरे सेमेस्टर मे कोई अन्य माइनर / इलेक्टिव विषय का चयन कर सकता है

3.1 स्नातक प्रथम सेमेस्टर के लिए उपलब्ध इलेक्टिव/माइनर विषयों की सूची (मात्र सैद्धांतिक विषय)

SN	Subject	Course Code	Minor/Elective paper	Availability	Credit
1	Ancient History, Culture, Archaeology	A150101T	Early civilization of india & World	Open to all	6
2	History	A050101T	Ancient and Early Medieval India (Till 1206 A.D.)	Open to all	6
3	Commerce	C010101T	Business organization	Open to all	6
4	Commerce	C010102T	Business Statistics	Open to all	6
5	Commerce	C010103T	Business Communication	Open to all	6
6	Commerce	C010104T	Introduction to Computer Application	Open to all	6
7	English	A040101T	English Prose and writing Skills	Open to all	6
8	Sanskrit	A020101T	संस्कृत पद्य साहित्य एवं व्याकरण	Open to all	6
9	Urdu	A030101T	Urdu Zaban-O-Adab ki Tareekh Aur Qawaid-O-Insha	Open to all	6
10	Hindi	A010101T	हिन्दी काव्य	Open to all	6
11	Law	G010101T	Introduction to the indian legal System	Open to all	6
12	Philosophy	A100101T	Indian Philosophy	Open to all	6
13	Economics	A080101T	Principle of micro Economics	Open to all	6

3.2 स्नातक प्रथम सेमेस्टर के लिए उपलब्ध माइनर/इलेक्टिव विषयों की सूची
(सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक विषय)

SN	Subject	Course Code	Credit	Minor/Elective paper	Pre-requisite/ Availability
1	Botany	B040101T	4	Microbiology & Plant Pathology	Biology in 12th
		B040102P	2	Techniques in Microbiology & Plant Patholoy	
2	Chemistry	B020101T	4	Fundamentals of Chemistry	Chemistry in 12th
		B020102P	2	Quantitative Analysis	
3	Computer Science	B070101T	4	Problem Solving using Computer	Open to all
		B070102P	2	Software Lab using Python	
4	Defence and Strategic Studies	A120101T	4	Conceptual Aspects of war	Open to all
		A120102P	2	Basics of Operational Exercises-I	
5	Fine Arts	A140101T	4	History of Art-1	Open to all
		A140102P	2	Drawing and colour Studies	

SN	Subject	Course Code	Credit	Minor/Elective paper	Pre-requisite/ Availability
6	Geography	A110101T	4	Physical Geography	Open to all
		A110102P	2	Elements of Map and surveying	
7	Geology	B090101T	4	Physical and structural Geology	Science in12th
		B090102P	2	Practical Structural Geology	
8	Home Science	A130101T	4	Fundamentals of Nutrition and Human Development	Open to all
		A130102P	2	Cooking skills and healthy recipe development	
9	Mathematics	B30101T	4	Differential calculus & integral Calculus	Mathematic in 12th
		B30102P	2	Mathematics Practical	
10	Physical Education	E020101T	4	Elementals of Physical Education	Open to all
		E020102P	2	Fitness and Yoga	
11	Physics	B010101T	4	Mathematical Physics & Newtonian Mechanics	Physics or Maths in 12th
		B010102P	2	Mechanical Properties of Matter	
12	Political Science	A060101T	4	Indian National Movement & Constitution of India	Open to all
		A060102P	2	Awareness of Rights & Lawa (Tutorial+Assignment)	
13	Psychology	A090101T	4	Basic Psychological processes	Open to all
		A090102P	2	Psychology Lab Work	
14	Social Work	A160101T	4	Fundamentals of Social Work	Open to all
		A160102P	2	Introduction to Field Work Practice	
15	Sociology	A070201T	4	Society in India, Structure, Organization & Change	Open to all
		A070202P	2	Writing skill development on topics of Contemporary Sociological importance (Tutorical+Assignment)	
16	Statistics	B060101T	4	Descriptive Statistics (Univarate) and Theory of Probability	Mathematics in12th
		B060102P	2	Descriptive Data Analysis lab (Univariate)	
17	Zoology	B050101T	4	Cytology, Genetics and infectious Diseases	Biology in 12th
		B050102P	2	Cell Bology & Cytogenetics Lab	
18	Education	E010101T	4	Conceptual Framework of Education	Open to all
		E010102P	2	Pratical : Read the preambe of Indian Constitution understand & analyse its basic ideas of Justice, Equality, Liberty & Fraternity Prepare a report and present what you have conceptuallized.(Tutorial+Assignment)	

नोट : महाविद्यालय में उपलब्ध माइनर/इलेक्टिव विषय ही छात्राओं को आवंटित कियें जाएगें।

4. स्नातक प्रथम सेमेस्टर हेतु अनिवार्य सहगामी पाठ्यक्रम (Co-Curricular)-

स्नातक स्तर पर सेमेस्टरवार अनिवार्य सहगामी पाठ्यक्रमों (Co-curricular) के अध्ययन–अध्यापन का क्रम सेमेस्टर के अनुसार निम्नवत होगा–

प्रथम सेमेस्टर : संचार कौशल एवं व्यक्तित्व विकास (Communication Skill and Personality Develoment)

द्वितीय सेमेस्टर : विश्लेषणात्मक योग्यता एवं डिजिटल अवेयरनेस (Analytic Ability and digital Awareness)

तृतीय सेमेस्टर : शारीरिक शिक्षा एवं योग (Physical Education and Yoga)

चतुर्थ सेमेस्टर : मानव मूल्य एवं पर्यावरण अध्ययन (Human Values and Envirnmental Studies)

पंचम सेमेस्टर : खाद्य, पोषण एवं स्वच्छता (Food, Nutition and Hygiene)

पष्ठम सेमेस्टर : प्राथमिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य (First Aid and Health)

नोट :–प्रत्येक विद्यार्थी को प्रथम छह–सेमेस्टर के प्रत्येक सेमेस्टर में एक सह–पाठ्यगामी (Co-curricular) विषय लेना होगा, इस प्रश्न–पत्र की परीक्षा बहुविकल्पीय आधार पर होगी।

5. स्नातक प्रथम सेमेस्टर हेतु कौशल-विकास/रोगजार-परक (Vocational) पाठ्यक्रम :-

1. प्रत्येक विद्यार्थी को स्नातक स्तर पर पहले, दूसरे, तीसरे एवं चौथे सेमेस्टर में एक कौशल-विकास / रोजगार -परक विषय का अध्ययन करना अनिवार्य होगा।

2. नई शिक्षा नीति में संचालित कौशल-विकास / रोजगार परक (Vocational) पाठ्यक्रमों की सूची-

क्रम सं.	व्यावसायिक पाठ्यक्रम
1.	योग (Yoga)
2.	सिलाई एवं कढ़ाई (Tairloring and Embriodery)
3.	ब्यूटीशियन (Beautician)
4.	फाइनेंशियल मैनेजमेंट (Finacial Management)
5.	एकाउण्टेंसी एण्ड ऑडिटिंग (Accountancy and Auditing)
6.	बैंकिंग एण्ड फाइनेंस (Banking and finance)
7.	मार्केटिंग एण्ड सेल्समैनशिप (Marketing and Salesmanship)
8.	खाद्य प्रसंस्करण (Food Processing)
9.	हार्टीकल्चर एण्ड फ्लोरीकल्चर (Horticulture & Flowriculture)
10.	नर्सरी एण्ड प्लांटेशन (Nursery and Plantation)
11.	मल्टीपरपज हेल्थ वर्कर (Multipurpse HealthWorker female)
12.	कम्प्यूटर एप्लीकेशन / आई.सी.टी. (Computer Application/ICT)

नोट : महाविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम ही छात्राओं को आवंटित कियें जाएगें।

3. कौशल-विकास / रोजगार परक पाठ्यक्रम (Vocational) का प्रशिक्षण कार्यक्रम सप्ताह में एक दिन होगा।

6. सेमेस्टर प्रणाली के किसी भी पाठयक्रम में प्रवेश, निकास एवं पुनः प्रवेश की प्रक्रिया-

- विद्यार्थी को एक वर्ष (दो सेमेस्टर) पूर्ण करने पर सर्टिफिकेट के साथ निकास तथा दो वर्ष (चार सेमेस्टर) पूर्ण करने पर डिप्लोमा के साथ निकास की सुविधा उपलब्ध होगी। विद्यार्थी को निर्गत सर्टिफिकेट अथवा डिप्लोमा पर उसके द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त रोजगार-परक (Vocational) प्रशिक्षण-पाठ्यक्रम का स्पष्ट उल्लेख किया जायेगा।
- विद्यार्थी को तीन वर्ष (छः सेमेस्टर) पूर्ण करने पर ही डिग्री प्राप्त होगी।
- विद्यार्थी निकास के बाद अगले स्तर पर पुनः प्रवेश ले सकेगा।
- Pre-requisite के आधार पर विद्यार्थी को द्वितीय / तृतीय वर्ष में विषय परिवर्तन की सशर्त सुविधा उपलब्ध होगी। इस सुविधा का लाभ लेते हुए छात्र चयनित तृतीय मेजर विषय मात्र को ही परिवर्तित कर सकेगा।

7. सेमेस्टर प्राणाली में डिग्री का संकाय एवं पूर्ण करने की अवधि/पाठ्यक्रम की उत्तीर्णता एवं आगामी सेमेस्टर में प्रवेश

- विद्यार्थी के लिए Certificate in Faculty का Course Module अर्थात् प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर को सफलता पूर्वक पूर्ण करने की अधिकतम अवधि 04 वर्ष निर्धारित है। उक्त अवधि में विद्यार्थी को यह Course Module आवश्यक क्रेडिट (प्रथम और द्वितीय सेमेस्टर के लिए पृथक-पृथक न्यूनतम 23-23 क्रेडिट) के साथ पूर्ण करना आवश्यक होगा, उसके पश्चात ही विद्यार्थी अगले Course Module अर्थात Diploma in Faculty में प्रवेश हेतु योग्यता धारित कर सकेगा।
- विद्यार्थी के लिए Diploma in Faculty का Course Module अर्थात तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर को सफलता पूर्वक पूर्ण करने की अधिकतम अवधि 03 वर्ष (Certificate in Faculty पूर्ण करने के उपरान्त 03 वर्ष) निर्धारित है। इस अवधि में विद्यार्थी को यह Course Module आवश्यक क्रेडिट (तृतीय और चतुर्थ सेमेस्टर के लिए पृथक-पृथक न्यूनतम 23-23 क्रेडिट) के साथ पूर्ण करना आवश्यक होगा, उसके पश्चात ही विद्यार्थी अगले Course Module अर्थात Bachelor in Faculty में प्रवेश हेतु योग्यता धारित कर सकेगा।
- विद्यार्थी के लिए Bachelor in Faculty का Course Module अर्थात पांचवें एवं छठवें सेमेस्टर को सफलता पूर्वक पूर्ण करने की अधिकतम अवधि 03 वर्ष (Diploma in Faculty पूर्ण करने के उपरान्त 03 वर्ष) निर्धारित है। इस अवधि में विद्यार्थी को यह Course Module आवश्यक क्रेडिट (पांचवें एवं छठवें सेमेस्टर के लिए पृथक-पृथक न्यूनतम 23-23क्रेडिट) के साथ पूर्ण करना आवश्यक होगा, उसके पश्चात ही विद्यार्थी अगले Course Module अर्थात Bachelor Research in Faculty में प्रवेश हेतु योग्यता धारित कर सकेगा।
- किसी Course Module के लिए निर्धारित क्रेडिट प्राप्त करने में असफल छात्र के लिए पृथक रूप से पुनः परीक्षा अथवा बैक पेपर परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी। सेमेस्टर प्रणाली की पारम्परिक और प्रचलित व्यवस्था के क्रम में उसे सम अथवा विषम सेमेस्टर की नियमानुसार आयोजित परीक्षा के साथ निर्धारित परीक्षा शुल्क जमा करते हुए पुनः परीक्षा देना होगा।
- पुनः परीक्षा का आयोजन 03 मुख्य विषयों और इलेक्टिव / माइनर विषयों के सन्दर्भ में ही किया जायेगा। वोकेशनल पाठयक्रम और सह-पाठयक्रम के लिए पुनः परीक्षा का प्रावधान नहीं होगा।
- Course Module के लिए निर्धारित अवधि के मध्य छात्र आवश्यक क्रेडिट प्राप्त करने के लिए एक से अधिक बार पुनः परीक्षा दे सकता हैं।
- विद्यार्थी जिस संकाय से तीन वर्ष में न्यूनतम 60 प्रतिशत क्रेडिट प्राप्त करेगा, उसी में उसको तदनुसार स्नातकोत्तर में प्रवेश की सुविधा होगी।
- यदि विद्यार्थी तीन वर्ष में किसी एक संकाय में न्यूनतम 60 प्रतिशत क्रेडिट प्राप्त नहीं कर पाता है तो उसके बैचलर ऑफ लिबरल एजूकेशन की डिग्री दी जायेगी तथा वह उन विषयों में स्नातकोत्तर कर सकेगा जिनमें स्नातक स्तर पर किसी विषय के Pre-requisite की आवश्यकता नहीं होगी। सामान्यतः इस श्रेणी में कला संकाय के ऐसे विषय आएंगे जिनमे प्रयोगात्मक कार्य अनिवार्य नहीं है।

8. राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के सन्दर्भ मे विद्यार्थी को प्राप्त होने वाली अन्य सुविधायें-

- विद्यार्थी मान्यता प्राप्त संस्थाओं से 20 प्रतिशत तक यू.जी.सी. / शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा अनुमन्य सीमा तक क्रेडिट ऑनलाइन कोर्स के माध्यम से प्राप्त कर सकेंगे तथा उसके अनुपात में कोर्स / विषय छोड़ सकेंगे। विश्वविद्यालयीय व्यवस्था के दृष्टिगत ऑनलाइन विषय चयनित करने की यह सुविधा माइनर / इलेक्टिव विषयों पर ही लागू होगी। यू. जी.सी. नियमों के अनुसार ऑनलाइन कोर्स के क्रेडिट सभी विश्वविद्यालयों / महाविद्यालयों को जोड़ने होंगे।

- विद्यार्थी की आवश्यकता के अनुसार निकट के अन्य शिक्षण संस्थान से किसी विशेष विषय के अध्ययन की सुविधा विश्वविद्यालय द्वारा अनुमन्य की जा सकती है। इस सुविधा का लाभ विद्यार्थियों को प्रदान करने के लिए सम्बन्धित महाविद्यालय पारस्परिक रूप से अनुबन्ध हस्तान्तरित करते हुए उसकी एक प्रति अनुमोदनार्थ विश्वविद्यालय को जमा करेंगें।
- अर्जित किये गये क्रेडिट का उपयोग विद्यार्थी सिर्फ एक उपाधि के लिये ही कर सकेगा। एक बार किसी क्रेडिट का प्रयोग करने के पश्चात वह दूसरी उपाधि के लिए उसका प्रयोग नहीं कर सकेगा।

9. सेमेस्टर प्राणाली में परीक्षा व्यवस्था-

- सभी विषयों के प्रश्न पत्र-100 अंक के होंगे, जिनको क्रेडिट एवं फार्मूला के अनुसार परसेन्टाईल एवं ग्रेड में सॉफ्टवेयर द्वारा परिवर्तित कर दिया जायेगा।
- सभी विषयों की परीक्षा 25 प्रतिशत सतत् आन्तरिक मूल्यांकन एवं 75 प्रतिशत वाह्य मूल्यांकन के आधार पर संपन्न की जायेगी।
- विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रम में संस्तुत भिन्न-भिन्न व्यवस्थाओं को समरूपता की दृष्टि से संशोधित करते हुए सतत आन्तरिक मूल्यांकन से सम्बंधित 25 प्रतिशत अंकों का विभाजन इस प्रकार होगा।
  - क. छात्र की सापेक्षिक उपस्थिति के लिए 05 प्रतिशत अंक निर्धारित होगा।
  - ख. छात्र को प्रदान किये जाने वाले असाइनमेंट एवं असाइनमेट-प्रेजेंटेशन के सापेक्ष 05 प्रतिशत अंक निर्धारित होगा
  - ग. सम्बन्धित विषय में छात्र के मिड-सेमेस्टर क्लास-टेस्ट के सापेक्ष 15 प्रतिशत अंक निर्धारित होंगे। क्लास-टेस्ट की उत्तर पुस्तिका महाविद्यालय द्वारा परीक्षा परिणाम घोषित हाने के 02 माह आगे तक सुरक्षित रखी जाऐगी।
  - घ. सतत् आन्तरिक मूल्यांकन की यह व्यवस्था कृषि एवं विधि संकाय के विषयों पर लागू नहीं होगी। तदसम्बन्ध में संबन्धित नियामक निकाय द्वारा संस्तुत व्यवस्था मान्य होगी।
- सभी विषयों की लिखित परीक्षा होगी एवं अनिवार्य सह-पाठ्यगामी को-करीकुलर विषय की परीक्षा बहु विकल्पीय आधार पर होगी।

10. शासन द्वारा दिये गये निर्देशानुक्रम में उक्त संरचना मूल और अनुप्रयुक्त विज्ञान, कला, सामाजिक विज्ञान, मानविकी, वाणिज्य, भारतीय एंव विदेशी भाषाएँ, प्रबंधन, कृषि तथा विधि संकायों पर लागू होंगी। तद्क्रम में निम्न बिन्दुओं पर भी प्रमुखता से ध्यान देना होगा-

- स्नातक पाठयक्रम के प्रथम वर्ष के लिए 46 संचित क्रेडिट के सापेक्ष तीन प्रमुख विषय, एक माइनर विषय, दो सह- पाठ्यक्रम एवं दो व्यावसायिक पाठयक्रम होंगे जिसे उत्तीर्ण करने पर **Certificate in Faculty** प्रदान किया जा सकता है। (सन्दर्भ-संलग्रक-1)।
- द्वितीय वर्ष तक 92 क्रेडिट संचित के सापेक्ष द्वितीय वर्ष में तीन प्रमुख विषय, एक माइनर विषय, दो सह-पाठयक्रम तथा दो व्यावसायिक पाठयक्रम होंगे जिसे उत्तीर्ण करने पर **Diploma in Faculty** प्रदान किया जायेगा (सन्दर्भ-संलग्रक-1)

- चौथे वर्ष तक 194 संचित क्रेडिट से सापेक्ष इस वर्ष में एक प्रमुख विषय, एक माइनर विषय तथा दो प्रमुख अनुसंधान परियोजना सम्मिलित होगी जिसे उत्तीर्ण करने पर Bachelor **(Research) in Faculty** की उपाधि प्रदान की जायेगी। (सन्दर्भ-संलग्रक-1)
- पांचवे वर्ष तक 246 संचित क्रेडिट के सापेक्ष इस वर्ष में एक प्रमुख विषय एवं दो प्रमुख अनुसंधान परियोजना (Research Project) सम्मिलित होगी, जिसे उत्तीर्ण करने के उपरान्त Master in Faculty उपाधि प्रदान की जायेगी। (सन्दर्भ-संलग्रक-1)
- छठे वर्ष तक 270 संचित क्रेडिट के सापेक्ष इस वर्ष में एक प्रमुख विषय, एक अनुसंधान पद्धति (Research Methodology) एवं एक प्रमुख अनुसंधान परियोजना (Research Project) सम्मिलित होगी, जिसे उत्तीर्ण करने के उपरान्त **Post Graduate Diploma in Research** प्रदान किया जा सकता है। (सन्दर्भ-संलग्रक-1)
- प्राथमिकता के आधार पर सातवें और आठवें वर्ष में (अन्यथा की स्थिति में उसके आगे के वर्षो में) अनुसंधान सम्बन्धी शोध प्रबन्ध **(Research Thesis)** जमा करना होगा जिसके मूल्यांकन के उपरान्त सफल घोषित किये जाने की संस्तुति के आधार पर पी.एच.डी. की उपाधि प्रदान की जायेगी (सन्दर्भ-संलग्रक-1)
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों के आलोक में उच्च-शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रस्तावित समान पाठ्यक्रम यथावत अथवा 30% की अनुमन्य सीमा तक संशोधन के साथ बोर्ड ऑफ स्टडीज के माध्यम से अंगीकार किया जाना है।
- स्नातक एवं स्नातकोत्तर में प्रत्येक सेमेस्टर के मेजर / माइनर विषयों के प्रश्नपत्रों के शीर्षक वही होंगे जो उच्च-शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा समान पाठ्यक्रम व्यवस्था के समबन्ध में प्रस्तावित हैं।
- यूनिफार्म क्रेडिट और ग्रेडिंग सिस्टम का निर्धारण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध **UGC GUIDELINES ON ADOPTION OF CHOICE BASED CREDIT SYSTEM** द्वारा प्रचलित व्यवस्था के मानकानुरूप किया जायेगा।
- प्रवेश, निकास एवं पुनः प्रवेश व्यवस्था के सम्बन्ध में गाइडलाइन विश्वविद्यालय द्वारा की जारी की जाएगी जिसका अनुपालन महाविद्यालय द्वारा किया जायेगा।

"जो शिक्षा आदमी को योग्य न बनाए, समानता और नैतिकता न सिखाए, वह सच्ची शिक्षा नहीं है, सच्ची शिक्षा तो आजीविका का सहारा बनती है, आदमी को ज्ञान और समानता का पाठ पढ़ाती है, समाज में जीवन का सृजन और मानवता की रक्षा करती है " - डॉ. अम्बेडकर

प्रवेश नियमावली

1. प्रवेशार्थी को प्रवेश, प्रवेश-समिति की संस्तुति पर ही दिया जायेगा।
2. प्रवेश हेतु योग्यताप्रदायी परीक्षा में 40 प्रतिशत प्राप्तांक न्यूनतम अर्हता है परन्तु अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति वर्ग के प्रवेशार्थियों के लिए 40 प्रतिशत प्राप्तांक की अनिवार्यता से छूट प्रदान की जायेगी।
3. आरक्षण शासन के नियमानुसार देय होगा।
4. उत्तर प्रदेश के मान्यता प्राप्त, राजकीय उच्च शिक्षण संस्थाओं के शिक्षक अथवा शिक्षणेतर कर्मचारियों की पुत्री / पत्नी / आश्रित को प्रवेश में वरीयता दी जायेगी।
5. आरक्षण अथवा अधिभार अंक हेतु सक्षम अधिकारी द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र, आवेदन पत्र के साथ ही प्रस्तुत करना होगा। प्रमाण-पत्र जमा करने के बाद कोई प्रमाण-पत्र स्वीकार नहीं होगा।
6. एन0सी0सी0 का 'बी' अथवा 'सी' सर्टीफिकेट प्रस्तुत करने पर 10 अधिभार अंक तथा अन्तर्महाविद्यालयी क्रीड़ा प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर 05 अधिभार अंक तथा राज्य स्तरीय प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर 10 अधिभार अंक देय होगा।
7. प्रवेश के सम्बन्ध में प्राचार्य का निर्णय अंतिम होगा। उन्हे अधिकार है कि वे बिना कारण बताए कोई भी प्रवेश निरस्त कर सकते हैं।
8. प्रत्येक प्रवेशार्थी को प्रवेश आवेदन पत्र निर्धारित तिथि तक कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा।
9. ऐसे प्रवेशार्थियों को प्रवेश देना सम्भव नहीं होगा-
   (अ) जो गत वर्ष किसी विश्वविद्यालय की परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो चुकी हैं।
   (ब) गत वर्ष परीक्षा में बैठने से रोक दी गई हैं।
   (स) जो परीक्षा में अनुचित साधन प्रयोग की दोषी पायी गई हों।
   (द) जो किसी अपराधिक मामले में सजा पा चुकी हों।
10. स्नातक और स्नातकोत्तर में प्रवेश के समय अन्तराल 3 वर्ष से अधिक मान्य नहीं होगा।
11. प्रवेश श्रेष्ठता क्रम में दिया जायेगा।
12. छात्राओं का शिक्षण शुल्क मुक्त है।

स्नातक

1. प्रवेश हेतु आवेदन पत्र निर्धारित तिथि तथा निम्नलिखित संलग्नकों सहित कार्यालय में जमा करना होगा।

(क) हाईस्कूल या समकक्ष तथा इण्टरमीडिएट के अंक पत्र एवं प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित प्रति।

(ख) अंतिम संस्था (जहाँ से अध्ययन किया है) के प्रधानाचार्य द्वारा प्रदत्त चरित्र प्रमाण-पत्र तथा टी.सी. की मूल प्रति।

(ग) पूर्व परीक्षा में व्यक्तिगत छात्रा होने पर दो राजपत्रित अधिकारियों द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र की मूल प्रतियाँ।

(घ) खेलकूद, एन0एस0एस0, एन0सी0सी0, गाइड इत्यादि पाठ्येत्तर क्रिया कलापों के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित प्रतियाँ।

2. प्रवेश हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट के प्राप्तांक पर आधरित मेरिट के अनुसार होगा। व्यावसायिक विषयों के साथ इण्टरमीडिएट उत्तीर्ण करने वाली छात्राओं का केवल लिखित परीक्षा के अंकों को जोड़ा जायेगा।
3. गृह विज्ञान विषय को चुनने की सुविधा उन्हीं छात्राओं को होगी जिन्होने इण्टरमीडिएट परीक्षा गृहविज्ञान / विज्ञान वर्ग विषय के साथ उत्तीर्ण की हो।
4. स्नातक स्तर पर वाणिज्य संकाय में प्रवेश हेतु हाईस्कूल / इण्टरमीडिएट (गणित या वाणिज्य से) उत्तीर्ण होना चाहिए।

स्नातकोत्तर (कला एवं समाज विज्ञान संकाय)

1. एम0ए0 प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए बी0ए0 तृतीय वर्ष में लिए गये विषयों में से किसी एक विषय का चयन किया जा सकता है।
2. बी0एस0सी0 (गृह विज्ञान) उत्तीर्ण छात्राएं भी एम0ए0 (गृहविज्ञान) में प्रवेश हेतु आवेदन कर सकती है।
3. स्नातकोत्तर कक्षाओं के अलग-अलग विषयों में प्रवेश के लिए अलग-अलग आवेदन करना होगा।
4. एम0ए0 प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु आवेदन करते समय निम्नांकित प्रमाण-पत्रों की अभिप्रमाणित प्रतियां संलग्न करनी होगी।
   क. इस महाविद्यालय से उत्तीर्ण छात्राओं को हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, बी0ए0 प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष के अंकपत्र।
   ख. अन्य महाविद्यालय किन्तु डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या से सम्बद्ध महाविद्यालय से उत्तीर्ण छात्राओं को हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट तथा बी0ए0, बी0एस0सी0, प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष के अंकपत्र, चरित्र प्रमाण-पत्र तथा टी0सी0 प्रमाण-पत्र।
   ग. अन्य विश्वविद्यालयों से उत्तीर्ण छात्राओं / अभ्यर्थियों को हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, बी0ए0, बी0एस0सी, प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष के अंकपत्र, चरित्र प्रमाण-पत्र तथा माइग्रेशन प्रमाण-पत्र।

   उक्त के अतिरिक्त अधिभार अंकपत्र अभ्यर्थियों को सम्बन्धित प्रमाण-पत्र की प्रमाणित प्रतियां, आरक्षित वर्ग की अभ्यर्थियों द्वारा जाति / वर्ग की अभ्यर्थियों द्वारा जाति / वर्ग प्रमाण-पत्र की प्रमाणित प्रतियां संलग्न करना अनिवार्य होगा अन्यथा आरक्षण का लाभ अनुमन्य नही होगा।
5. क. स्नातकोत्तर में प्रवेश के लिए निर्धारित सीटों में 90 प्रतिशत सीट महाविद्यालय की छात्राओं एवं 10 प्रतिशत सीट अन्य महाविद्यालय के छात्राओं हेतु निश्चित किया गया है।
   ख. राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत 240 घंटे की सेवा एवं कम से कम एक विशेष सात दिवसीय शिविर में भाग लेने वाली छात्राओं को 10 अधिभार अंक दिया जायेगा।
   ग. राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी छात्रा को अथवा राज्य स्तरीय, अन्तर्विश्वविद्यालय स्तरीय तथा विश्वविद्यालय स्तर की खिलाड़ी छात्रा को 05 अधिभार अंक दिया जायेगा।

टिप्पणी :– उपर्युक्त अधिभार अंक प्राविधानों में से दो से अधिक एक साथ नही जुड़ेगे। अधिभार अंकों के लिए छात्रा को समुचित प्रमाण-पत्र आवेदन पत्र के साथ सलंग्न करना अनिवार्य होगा।

विषय परिवर्तन

प्रवेशार्थी प्रवेश आवेदन पत्र भरते समय विषयों के चयन में सावधानी बरतें। एक बार चयनित विषयों में किसी प्रकार का परिवर्तन बिना प्राचार्य एवं प्रवेश समिति के निर्णय के नहीं होगा, जो कि प्रवेश के दो सप्ताह के अंदर ही किया जायेगा उसके उपरान्त नहीं।

उपस्थिति

कक्षाओं में छात्राओं की नियमित उपस्थिति आवश्यक है। सत्र के अन्त तक प्रत्येक छात्रा की प्रत्येक विषय में 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है, इससे कम उपस्थिति होने पर छात्रा को परीक्षा में सम्मिलित होने से रोका जा सकता है। 75 प्रतिशत से कम उपस्थिति की दशा में कुलपति की अनुमति से विशेष परिस्थिति में परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति मिल सकती है।

सूचनाओं का प्रदर्शन

महाविद्यालय, विश्वविद्यालय एवं अन्य गतिविधियों (क्रीड़ा, पुस्तकालय, वाचनालय, शुल्क मुक्ति आदि) से सम्बन्धित सूचनाएँ महाविद्यालय के सूचना पट्ट तथा वेबसाइट (www.rgwpgc.org) पर प्रदर्शित की जायेंगी। छात्राओं से अपेक्षा की जाती है कि प्रदर्शित सूचनाओं को अकादमिक गतिविधियों तथा अन्य जानकारी हेतु अवश्य पढ़ें। रोजगार सूचना पट्ट भी छात्राएं अवश्य देखें।

परिचय-पत्र

प्रत्येक छात्रा को महाविद्यालय का परिचय-पत्र रखना अनिवार्य है। छात्राओं को परिचय-पत्र महाविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराया जायेगा, परिचय-पत्र चीफ प्रॉक्टर के हस्ताक्षर से छात्राओं को निर्गत किया जायेगा। यदि किसी छात्रा का परिचय-पत्र खो जाता है या नष्ट हो जाता है, तो उसे नया परिचय-पत्र प्राप्त करने के लिए रू0 20.00 जमा करना होगा।

अनुशासन

प्रत्येक छात्रा से यह अपेक्षा की जाती है कि वह अनुशासनबद्ध रहकर शैक्षणिक संस्था के अनुकूल आचरण अपनाये। अनुशासनहीनता, असत्य कथन के आधार पर प्रवेश, परीक्षा में नकल आदि में छात्रा के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी, जिसमें छात्रा का महाविद्यालय से निष्कासन भी सम्मिलित होगा। "रैगिंग" दण्डनीय अपराध है संज्ञान में आने पर कठोरत्म कार्यवाही की जाएगी। किसी भी प्रकार के उत्पीड़न की दशा में महाविद्यालय में 'महिला उत्पीड़न निवारण समिति' द्वारा इसका उचित निराकरण किया जाता है।

महाविद्यालय पत्रिका

महाविद्यालय द्वारा प्रत्येक वर्ष में एक पत्रिका 'पहल' प्रकाशित की जायेगी। प्रत्येक छात्रा इस पत्रिका के लिए लेख, कविता आदि सम्पादक मण्डल के सदस्यों को दे सकेंगी। केवल उन्हीं लेखों, कविताओं आदि को पत्रिका में प्रकाशनार्थ सम्मिलित किया जायेगा जो उच्च श्रेणी की एवं मौलिक होगी।

राष्ट्रीय सेवा योजना

सेवा भावना, बंधुत्व एवं सह-अस्तित्व की भावना के उत्तरोत्तर विकास तथा समाज में चेतना जाग्रत करने के उद्देश्य से महाविद्यालय में रा0 से0 यो0 की दो इकाईयाँ कार्यरत हैं, जिसमें सामान्य एवं विशेष शिविर के कार्यक्रम संचालित होते हैं। इसमें सभी छात्राओं को अपनी सेवा भावना के प्रदर्शन का अवसर प्राप्त होता है।

रेन्जर

महाविद्यालय में रेन्जर की दो इकाईयां गठित है, छात्राएं इन इकाईयों का हिस्सा बनकर समाज में रचनात्मक एवं सकारात्मक भागीदारी निभाने के लिए अपने आपको मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार करती हैं।

क्रीड़ा

छात्राओं के शारीरिक, नैतिक व चारित्रिक विकास के लिए महाविद्यालय में क्रीड़ा परिषद् के तत्वावधान में क्रीड़ा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है।

अन्य शैक्षणिक क्रियाकलाप

सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास हेतु भाषण, सेमिनार, सिम्पोजियम, कार्यशालाएं, वाद-विवाद, सामान्य ज्ञान, साहित्यिक चेतना, निबंध, कविता पाठ, पोस्टर लेखन आदि गतिविधियों का आयोजन महाविद्यालय में निरंतर किया जाता है, जिसे महाविद्यालय के शैक्षणिक कैलेण्डर (Academic Calender) में प्रतिवर्ष सम्मिलित किया जाता है। महाविद्यालय की छात्राओं को इनमें उत्साहपूर्वक भाग लेकर सफल और पुरस्कृत होने का प्रयास करना चाहिए।

पुस्तकालय एवं वाचनालय

महाविद्यालय में पुस्तकालय एवं वाचनालय की समुचित व्यवस्था है। प्रत्येक छात्रा को पुस्तकालय एवं वाचनालय के सम्बन्ध में निम्नलिखित नियमों का पालन करना होगा-

1. प्रत्येक छात्रा को एक समय में अधिकतम दो पुस्तकें मिलेंगी। पुस्तकें 10 दिन के लिए निर्गत की जायेंगी।
2. निर्धारित समय पर पुस्तकें जमा न करने पर 50 पैसे प्रतिदिन की दर से दण्ड लिया जा सकता हैं।
3. छात्राओं को असि0 प्रो0 लाइब्रेरी द्वारा निर्धारित दिनों और समय पर पुस्तकें निर्गत की जायेंगी।
4. पुस्तकें फटने या खराब हो जाने का उत्तरदायित्व छात्रा का होगा।
5. छात्रा द्वारा पुस्तकालय से प्राप्त की गई पुस्तकों को विश्वविद्यालय परीक्षा के पूर्व जमा करना होगा। इसके बाद ही छात्रा को प्रवेश-पत्र दिया जायेगा। परीक्षा प्रारम्भ हो जाने पर छात्रा को पुस्तकें निर्गत नहीं की जायेंगी।
6. वाचनालय में छात्राओं को हिन्दी और अंग्रेजी के समाचार-पत्र तथा उपयोगी साप्ताहिक और मासिक पत्रिकाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं। पुस्तकालय में विषय सम्बन्धित आडियो-विजुअल के संसाधन के रूप में सी0डी0 / डी0वी0डी0 / फ्लैश ड्राइव उपलब्ध है।
7. प्रत्येक छात्रा का यह उत्तरदायित्व होगा कि वह वाचनालय में पूर्ण शान्ति बनाये रखे।
8. समाचार पत्र और पत्रिकायें केवल वाचनालय में पढ़ने के लिए उपलब्ध होंगी।
9. समाचार पत्र / पत्रिका जमा करने पर परिचय-पत्र वापस कर दिया जायेगा।
10. वाचनालय में समाचार पत्र और पत्रिकायें परिचय-पत्र दिखाकर प्राप्त की जायेंगी।
11. पुस्तकालय में पाठयक्रम के अतिरिक्त अन्य उपयोगी जर्नल्स एवं पत्रिकाएं भी उपलब्ध है।
12. पुस्तकालय में ई-लाइब्रेरी (INFLIBNET/N-LIST) की व्यवस्था है। ई-जर्नल्स एवं ई-बुक्स इण्टरनेट / वाई-फाई कनेक्टिविटी के माध्यम से डाउनलोड किया जा सकता है।

शुल्कमुक्ति एवं छात्रवृत्तियाँ

शासन द्वारा दशमोत्तर कक्षाओं में संस्थागत रूप से अध्ययन करने वाली सभी छात्राओं का शिक्षण शुल्क मुक्त है। सामान्य / अन्य पिछड़ा वर्ग / अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति / अल्पसंख्यक वर्ग की छात्राओं को शासन द्वारा छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं मेरिट के आधार पर भी शासन द्वारा छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं।

छात्राएं कार्यालय / सूचना पट्ट से सूचना प्राप्त कर निर्धारित तिथि तक आवेदन पत्र सम्पूर्ण संलग्नकों के साथ जमा करेगीं।

कम्प्यूटर लैब

महाविद्यालय में छात्राओं को सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीक (ICT) से अवगत कराने एवं आधुनिक जीवनशैली में इसके अनुप्रयोग हेतु कम्प्यूटर लैब स्थापित है। छात्राएं रिक्त वादनों में लैब में कम्प्यूटर/डिजिटल ज्ञान प्राप्त कर सकती हैं। लैब के सभी कम्प्यूटर इण्टरनेट/वाई-फाई से जुड़े हैं।

पाठ्यक्रम (दूरस्थ शिक्षा)

इस महाविद्यालय में इग्नू (इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय) नई दिल्ली के द्वारा अध्ययन केन्द्र संचालित है। संचालित पाठ्यक्रम का विवरण निम्न है-

1. स्नातक उपाधि प्रारम्भिक कार्यक्रम
2. कला में स्नातक
3. वाणिज्य में स्नातक
4. एम.ए. (समाजशास्त्र)
5. एम.ए. (हिन्दी)
6. एम.ए. (इतिहास)
7. वाणिज्य मे स्नातकोत्तर (एम.कॉम)
8. पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा में डिप्लोमा
9. ग्राम विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
10. प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा में डिप्लोमा
11. पंचायत स्तरीय प्रशासन और विकास में डिप्लोमा
12. पर्यावरण अध्ययन में प्रमाण-पत्र
13. पोषण एवं शिशु देखभाल में प्रमाण-पत्र
14. ग्रामीण विकास में प्रमाण-पत्र
15. मानवाधिकार में प्रमाण-पत्र
16. भोजन एवं पोषण में प्रमाण-पत्र
17. व्यवसाय कौशल में प्रमाण-पत्र

प्रवेश हेतु इच्छुक अभ्यर्थी इग्नू केन्द्र में मो0 नं0 9648337875 पर सम्पर्क कर आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकतें हैं। प्रवेश की सभी प्रक्रियायें ऑनलाइन इग्नू के वेबसाइट- www.ignou.ac.in के माध्यम से होंगी।

महाविद्यालय समितियाँ

महाविद्यालय में शैक्षणिक वातावरण की निरंतरता हेतु संस्था प्रमुख के निर्देशन में विभिन्न समितियों/सेल का गठन किया गया है, जिसमें आई क्यू ए सी (IQAC), यू जी सी (UGC) अकादमिक सोसाइटी, पुरातन छात्रा (Alumnae), शिक्षक-अभिभावक, शिक्षक-छात्रा, शिकायत निवारण सेल, महिला उत्पीड़न निवारण समिति, छात्रा कल्याण समिति (SWC)] क्रीड़ा समिति, पुस्तकालय, महाविद्यालय विकास एवं स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, कॅरियर गाइडेंस सेल, एन0एस0 एस0, रेंजर संस्थागत सामाजिक जिम्मेदारी (ISR) छात्रवृत्ति, सांस्कृतिक गतिविधि, समारोह समिति, आंतरिक लेखा परीक्षण, वार्षिक पत्रिका संपादन मंडल, डिजिटल तकनीक व कम्प्यूटर समिति, ऑनलाइन स्पोकन प्रबंध, RUSA, जन-सूचना अधिकारी समिति इत्यादि हैं। इन समितियों में प्राध्यापकों के साथ-साथ छात्राएं भी सदस्य के रूप में नियुक्त की जाती हैं।

प्रवेश के समय स्नातक / स्नातकोत्तर में देय सम्पूर्ण शुल्क का विवरण

प्रवेश के समय स्नातक में देय सम्पूर्ण शुल्क	स्नातक	स्नातकोत्तर
1. शिक्षण शुल्क-	....	....
2. प्रवेश शुल्क	6.00	6.00
3. महँगाई	42.00	42.00
4. विकास शुल्क	20.00	20.00
5. पुस्तकालय	5.00	5.00
6. प्रयोगशाला शुल्क (प्रति प्रायोगिक विषय)	240.00	240.00
7. क्रीड़ा	150.00	150.00
8. परिषद् शुल्क	50.00	50.00
9. वाचनालय	50.00	50.00
10. पत्रिका	65.00	65.00
11. परिचय-पत्र	50.00	50.00
12. विश्वविद्यालय परीक्षा / अंक-पत्र शुल्क	1050.00	1050.00
13. नामांकन शुल्क (नये प्रवेशार्थियों के लिए)	150.00	150.00
14. विद्युत शुल्क	80.00	80.00
15. काशनमनी (पुस्तकालय)	50.00	50.00
16. काशनमनी (प्रयोगशाला)	50.00	50.00
17. महाविद्यालय दिवस	50.00	50.00
18. साईकिल स्टैण्ड	48.00	48.00
19. छात्रा कामन रूम	24.00	24.00
20. विविध	150.00	150.00
21. रोवर्स शुल्क	20.00	20.00

नोट-उ0प्र0 शासन एवं विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार शुल्क में परिवर्तन किया जा सकता है।

प्रवेश के साथ छात्रा 'शुल्क रसीद' जिसमें छात्रा द्वारा चयनित विषयों का भी उल्लेख होगा, दी जायेगी। यह शुल्क रसीद प्रत्येक छात्रा को अपने पास सुरक्षित रखनी होगी और विषयों से सम्बन्धित प्राध्यापकों को दिखाकर अपना नाम रजिस्टर्ड करायेंगी। इसी शुल्क रसीद को दिखाकर वे केन्द्रीय पुस्तकालय से 'पुस्तकालय कार्ड' भी प्राप्त कर सकेंगी।

महाविद्यालय परिवार

प्रो. शेफाली सिंह
प्राचार्य

कला संकाय स्नातक / स्नातकोत्तर

समाजशास्त्र विभाग

डॉ. अरविन्द कुमार वर्मा	प्रोफेसर
डॉ. मनोज गुप्ता	असि. प्रो.
श्री संतोष कुमार	असि. प्रो.
सुश्री सीता पाण्डेय	असि. प्रो.
श्री सतीश कुमार उपाध्याय	असि. प्रो.

मध्यकालीन इतिहास विभाग

डॉ. शाहिद परवेज	प्रोफेसर
श्री रवीन्द्र कुमार वर्मा	असि. प्रो.
डॉ. अजीत प्रताप सिंह	असि. प्रो.

राजनीति विज्ञान विभाग

श्रीमती विजय लक्ष्मी यादव	असि. प्रो.
श्री चन्द्रभान	असि. प्रो.
डॉ. भानु प्रताप राय	असि. प्रो.

हिन्दी विभाग

डॉ. सुधा	प्रोफेसर
डॉ. विश्वनाथ द्विवेदी	प्रोफेसर
डॉ. अखिलेन्द्र प्रताप सिंह	असि. प्रो.

गृह विज्ञान विभाग

डॉ. पूनम	असि. प्रो.
श्रीमती संगीता	असि. प्रो.
श्रीमती वालेन्तिना प्रिया	असि. प्रो.

अंग्रेजी विभाग

डॉ. अतुल कुमार कन्नौजिया	असि. प्रो.

शिक्षाशास्त्र विभाग

डॉ. सुनीता सिंह	असि. प्रो.

अर्थशास्त्र विभाग

डॉ. राजेश कुमार यादव	असि. प्रो.

शारीरिक शिक्षा विभाग

श्री कृष्ण कुमार विश्वकर्मा	असि. प्रो.

महाविद्यालय परिवार

वाणिज्य संकाय

डॉ0 अरूण कान्त गौतम — प्रोफेसर
डॉ0 नन्दन सिंह — असि0 प्रोफेसर

विज्ञान संकाय

डॉ0 सीमा यादव — असि0 प्रो0 रसायन विज्ञान
डॉ0 राजेश यादव — असि0 प्रो0 जन्तु विज्ञान
डॉ0 महेन्द्र यादव — असि0 प्रो0 भौतिक विज्ञान
डॉ0 विजय प्रकाश सिंह — असि0 प्रो0 वनस्पति विज्ञान

पुस्तकालय

श्री कुँवर संजय भारती — असि0 प्रो0 लाइब्रेरी

कार्यालय

श्री युजवेन्द्र गोंड — वरिष्ठ सहायक
श्रीमती बंदना गौतम — कनिष्ठ सहायक
श्री राम नेवल — परिचर
श्री मस्तराम — चौकीदार

प्रयोगशाला

श्रीमती अवधेश नन्दिनी — प्रयोगशाला सहायक

महाविद्यालय कुलगीत

परम मनोहर तपस्थली में, महान शिक्षा सदन हमारा।
यहाँ से निकली है ज्ञानधारा, पवित्र तमसा का शुचि किनारा।।
कल-कल प्रवाहित पुण्य सलिला, सरयू हमें नित सुना रही हैं।
सदैव आगे ही बढ़ते जाओ, हमें निरन्तर सिखा रही हैं।।
त्रेता युग की मर्यादा-रेखा, राम-घाट पर खिंची हुई है।
रामत्व है कण-कण में समाया, सर्वत्र महिमा बिंधी हुई है।
हमें अयोध्या की भावभूमि, आज्ञा पालन सिखा रही है।।
करो समादर पूज्य जनों का, विनय शीलता दिखा रही है।
जनक-नन्दिनी मनोज्ञ सीता, कनक-भवन से बता रही है।।
तुम्हें न रूकना है कर्म-पथ पर, प्रबोध हमको करा रही है।
संकल्प भ्रातृत्व का हैं गुंजित, पूज्य भरत का अवध-पुरी में।।
अग्रज-अनुज की ममत्व रेखा, सदा ही दिखती नन्दि ग्राम में।
महान अकबर हैं याद आते, यहाँ की बसुधा समन्वयी है।।
सभी से समता सभी से ममता, उदारता की कड़ी नई है।
यहाँ के लोहिया-नरेन्द्र-जेतली, हमें सुशिक्षा का ज्ञान देते।।
शिक्षार्थ आओ सेवार्थ जाओ, कानों में हमको ये मन्त्र देते।
महान शिवबाबा की स्थली, विशाल वट वृक्ष से है शोभित।।
सम्बल है हमकों उनकी कृपा का, सारा क्षेत्र है कृपा से पोषित।
गोविन्द-किछौछा की छत्र छाया, प्रतिपल हमको मिली हुई है।।
सुख-शान्ति के हम परम उपासक, जीवन-कलिका खिली हुई है।
साधना से ही सिद्धि मिलती, श्रृँगी ऋषि की सुध्णा की वानी।।
स्मृति हमको करा रही है, कोशलेश की अमर-कहानी।
मंगल पाण्डेय की गौरव-गाथा मझुई की लहरें गुनती है।।
सुरहुरपुर धरती कहती हैं, संविधान के अमर प्रणेता।
स्वतन्त्रता के अनन्य प्रहरी, अम्बेडकर जी तुम्हें नमन है।।
मानवता की जड़ें हैं गहरी, मातु-पिता की अनुपम सेवा।
श्रवण क्षेत्र में लिखी हुई हैं, ज्ञान-रश्मि की अमर चेतना,
रमाबाई में रमी हुई हैं।

स्व. डॉ. त्रिलोकचन्द्र मिश्र

TAJ OFFSET PRESS
Jalalpur 9838559455